यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

राजभाषा के रंग

कार्टूनिस्ट के संग

तुम्हें अखबार पढ़ने का बहुत शौक है.
नहीं तो.
फिर दो दो समाचारपत्र क्यों लेते हो?
हिन्दी का पढ़ने के लिए और अंग्रेजी का दूसरों पर रौब गांठने के लिए.

सर, दो लाइनें और बोल दीजिए, नहीं तो पत्र हिन्दी में ही भेजना पड़ेगा.

अंग्रेजी नहीं आती तो क्या, खबरदार जो हिन्दी में बात करी. सोसाइटी में नाक कट जाएगी.

यह तो सोने पर सुहागा है. **राजभाषा में काम** करने से व्यापार के साथ-साथ **पुरस्कार भी** वह भी महामहिम के हाथों.

हां, भारतीय बाज़ार पर पकड़ बनानी है तो यहां की भाषा भी सीखनी पड़ेगी.

हमने तो यह **नर्स** तुम्हें पालपोस कर बड़ा करने हेतु रखी थी. आज तुम इसे ही अपनी **मां** कहने लगे

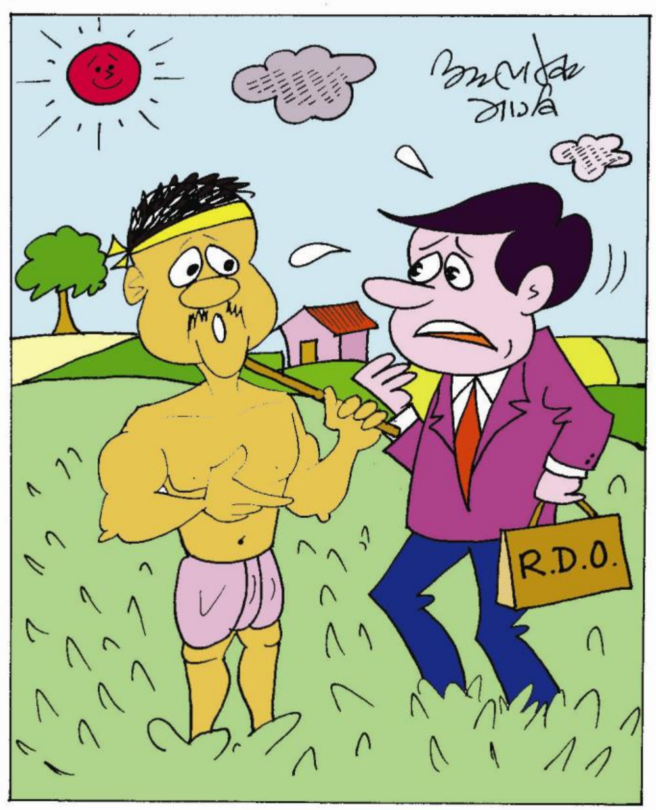

आप हमें क्या उधार देंगे? **भाषा** तक तो **उधार** की प्रयोग करते हैं!

कमाल है! इतने कम समय में इतने अधिक स्थान घूम लिए.
कहीं तुम पर्यटन मंत्रालय में तो नहीं?
नहीं, राजभाषा में.
आप हर बार अपना लक्ष्य पुरा कर लेते हैं.
प्रबंधक 'क' शाखा
प्रबंधक 'ख' शाखा
इसका राज?
राजभाषा.
तुम तो राजभाषा अधिकारी हो.
बैंकिंग भी पूरी नहीं आती. फिर भी इतना अधिक ग्राहक आधार कैसे बढा लिया?
जी राजभाषा से.

..सब आपको ही देखना है. रही बात राजभाषा की, तो वह तो आपका संवैधानिक कर्तव्य है.

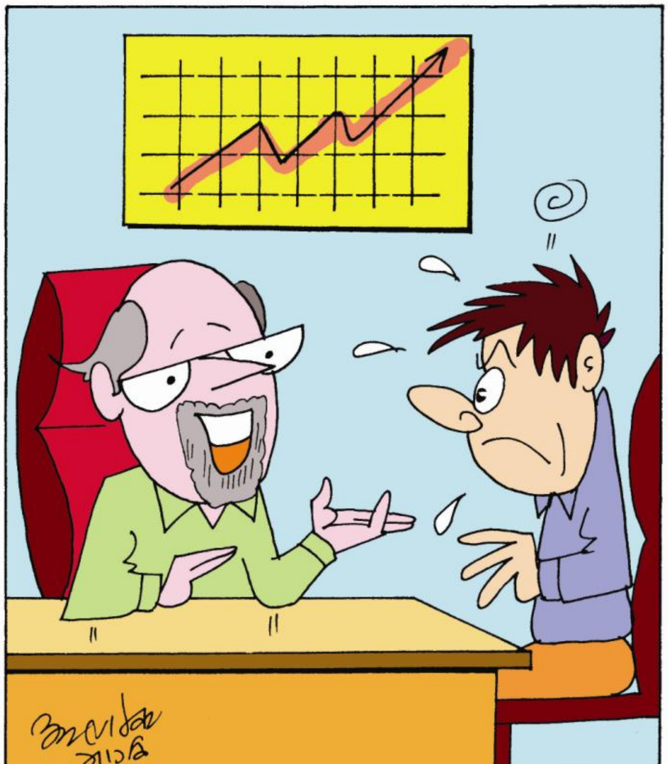

सभ्य-शालीन भाषा एवं मधुर वाणी व्यक्तित्व ही नहीं निखारती, आपको लोकप्रिय बना व्यापार बढ़ाने में भी सहायक होती है.

आकर्षक व सुंदर परिसर आगंतुक को शाखा में पदार्पण करा सकता है.
लेकिन उसे सदा-सदा के लिए ग्राहक बनाना, आप की भाषा पर निर्भर करता है.

कटु भाषा से आप किसी को भी शत्रु बना सकते हैं,
मधुर भाषा से मित्र,
और राजभाषा से मित्र भी, ग्राहक भी

अंग्रेजी नहीं आती तो क्या, अंग्रेजी किताबों से स्टेटस तो बढ़ता है.

मुझे तो लगता था कि हिन्दी में लिखे पत्रों पर कार्यवाही ही नहीं होती. पर मेरा काम तो तुरंत हो गया.
जी, हम हर भाषा का सम्मान करते हैं.
प्रबंधक

हमारा योगदान यही है कि ग्राहक की भाषा में प्रचार-प्रसार कर के संस्था के व्यापार को बढ़

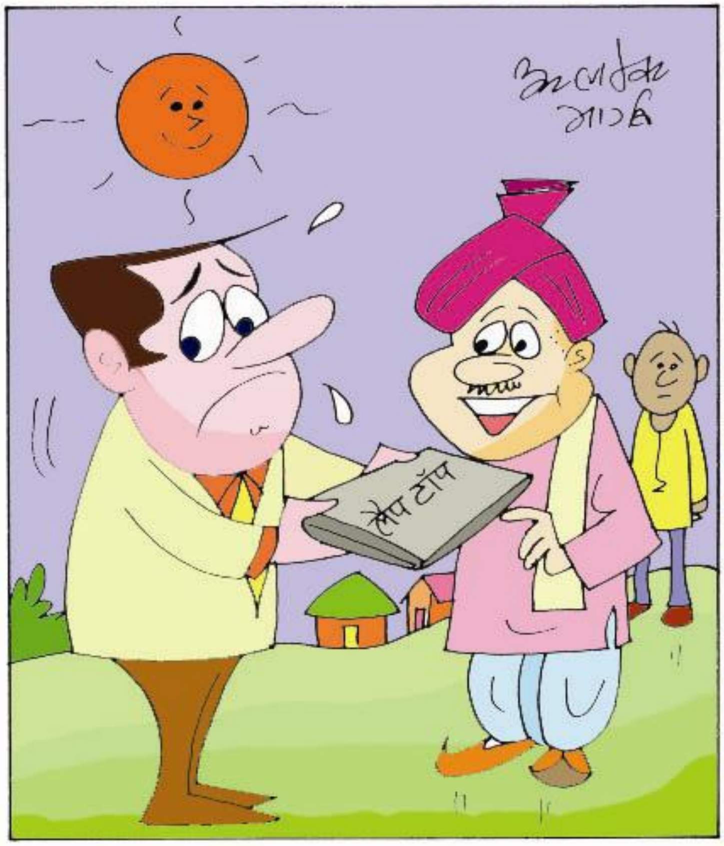

डिजिटल इंडिया का सपना तभी साकार हो सकता है जब वह जन-जन की भाषा में हो.

कमाल है! अपने ही देश में, अपने ही लोगों को, अपनी ही भाषा में, काम कराने के लिए अधिकारी नियुक्त करना पड़ रहा है. वह भी अपनी भाषा का.

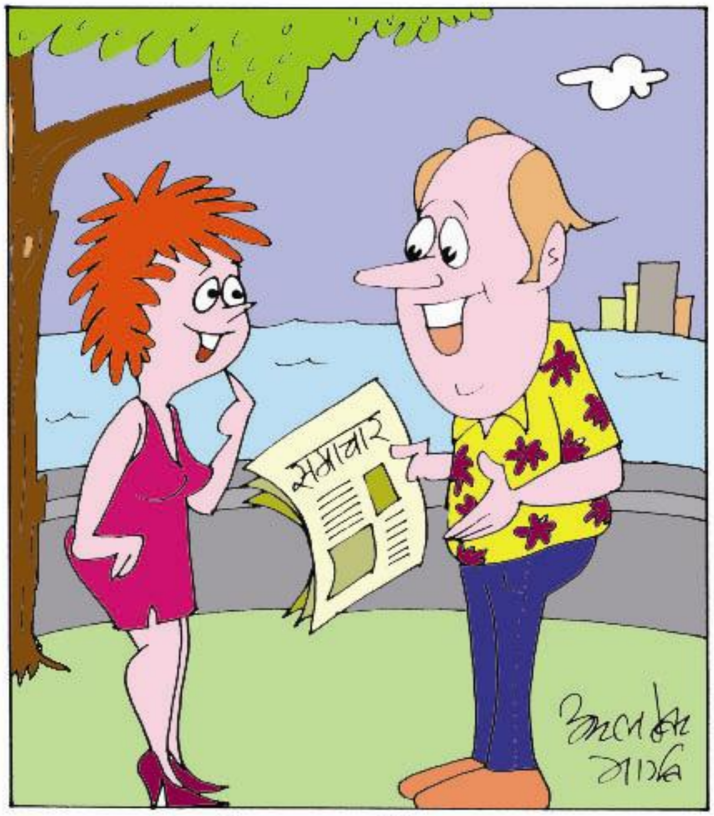

जब से हिन्दी सीखी और जानी है, मुझे इस से अधिक सरस, सुगम, सौम्य, साहित्यिक और सभ्य भाषा नहीं मिली.

डिक्शनरी कौन देखे, मैं तो हर कठिन से कठिन शब्द का अर्थ अपने राजभाषा अधिकारी से ही पूछ लेता हूं.

राजभाषा का अर्थ

कवि
फिल्मी ही सही हिन्दी गीतों की दुनिया दिवानी है.
किराना दुकान
धंधा चमके
राज दिलाने की भाषा राजभाषा
नेता
नौकरी.
तबादले
तबादला
स्थानांतरण
राजभाषा अधिकारी
हिन्दी फिल्मों का स्टार सारे देश का स्टार
हीरो!
आम आदमी
मेरी भाषा जनजन की भाषा.

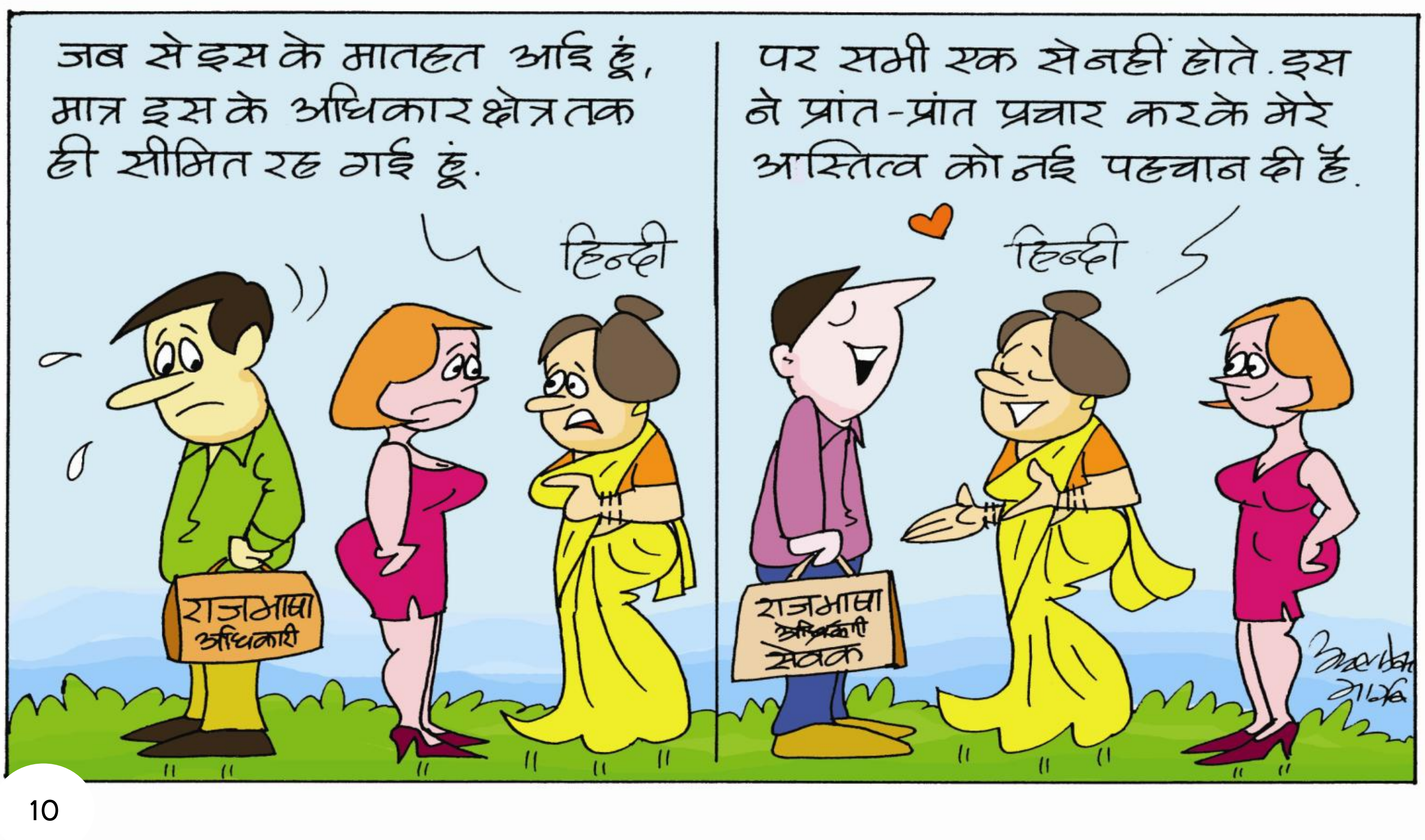
जब से इस के मातहत आई हूं, मात्र इस के अधिकार क्षेत्र तक ही सीमित रह गई हूं.
हिन्दी
राजभाषा अधिकारी
पर सभी एक से नहीं होते. इस ने प्रांत-प्रांत प्रचार करके मेरे अस्तित्व को नई पहचान दी है.
हिन्दी
राजभाषा अधिकारी सेवक

टूटी-फूटी ही सही... जो बात अंग्रेजी बोलने में है वह फर्राटेदार हिन्दी में भी नहीं.
हां, तभी तुम बात-बात में अर्थ का अनर्थ कर जाते हो.

अंग्रेजी के आने से पहले देश क्या था?
सभ्यता में मोहनजोदड़ो, ज्ञान में तक्षशिला-नालंदा, समृद्धि में सोने की चिड़िया और अध्यात्म में विश्वगुरु.

कभी यह जनसाधारण की भाषा थी
धीरे-धीरे यह काम-काज की भाषा बन गई
और आज सम्मान और पुरस्कारों की भाषा है

मेरे पति पत्रकार हैं. हर समय उनकी एक अटैची बाहर जाने के लिए तैयार रहती है.
अच्छा, पर हमारा तो पूरा बोरिया-बिस्तर ही बंधा रहता है.
क्या वह भी पत्रकार या फौजी हैं?
नहीं, राजभाषा अधिकारी.
हैं!!

बलाबला बलाबलाबलाबला बला बलाबला
अंग्रेजी
चले जाओ. तुम हमारे जैसे नहीं हो.
हमारा पंख लगा लेने से तुम हम जैसे नहीं हो जाते... भागो.
हा
हा
हा
अब मैं कहां जाऊं?
हाय! मैं न इधर का रहा, न उधर का.

आलोक भार्गव द्वारा रेखांकित व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केंद्रीय कार्यालय, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021 के राजभाषा कार्यान्वयन प्रभाग के समन्वय से प्रकाशित